

79

**न्यायालय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर**

पुनरीक्षण प्रकरण क्र. 2690-पी.बी.आर./2016

वि.सं-9087-83247

प्रेम सिंह पुत्र श्री वृन्दावन काछी,  
निवासी- ग्राम नयागांव तहसील व  
जिला ग्वालियर (म.प्र.)

--आवेदक

विरुद्ध

1. रामस्वरूप पुत्र स्व. हरगोविन्द शिवहरे,  
निवासी- 47, दुर्गापुरी, ग्वालियर  
(म.प्र.)
2. बुन्नी पुत्र रामसिंह काछी, निवासी ग्राम  
नयागाँव, तहसील व जिला ग्वालियर  
(म.प्र.) ---अनावेदकगण

--अनावेदकगण

**आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 152 सी.पी.सी**

माननीय महोदय,

आवेदक का आवेदन निम्नानुसार प्रस्तुत है:-

1. यहकि, आवेदक ने विद्वान अधीनस्थ न्यायालय के आदेश के विरुद्ध माननीय इस न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण प्रस्तुत किया था, जिसका प्रकरण क्रमांक 2690-पी.बी.आर./2016 में दिनांक 22/03/2017 को आदेश पारित किया गया है।
2. यहकि, माननीय इस न्यायालय द्वारा लिपिकीय त्रुटिवश आदेश की दिनांक 22/03/2017 के स्थान पर आदेश दिनांक 22/03/2016 टंकित हो गया है।
3. यहकि, माननीय इस न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 22/03/2016 के स्थान पर आदेश दिनांक 22/03/2017 टंकित किया जाना न्यायोचित एवं न्याय संगत है।

अतएव उपर्युक्तानुसार निवेदन है कि न्याय हित में आवेदन स्वीकार कर आदेश दिनांक 22/03/2016 के स्थान पर आदेश दिनांक 22/03/2017 टंकित किये जाने का आदेश प्रदान किया जाये।

ग्वालियर

दिनांक: 02/05/2017

निवेदक

प्रेम सिंह ---आवेदक

द्वारा अभिभाषक

आर. डी. शर्मा, *Amargau*  
विनोद भार्गव एवं अमित भार्गव

दिनांक 11-5-17 को  
से काफिले भार्गव का  
ज्ञान खंडल।

11-5-17  
50  
A. D. Sharma  
अमित भार्गव-517  
(अधिका)

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक विविध 9087-पीबीआर/17 ( कमलेश्वर / रामचन्द्र ) जिला ग्वालियर

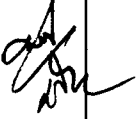
स्थान तथा दिनांक

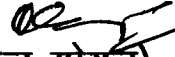
कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों  
आदि के हस्ताक्षर

12-5-2017

आवेदक की ओर से श्री अमित भार्गव, अभिभाषक उपस्थित । उनके द्वारा बतलाया गया कि इस न्यायालय के मूल प्रकरण क्रमांक निगरानी 2690-पीबीआर/2016 में दिनांक 22-3-17 को आदेश पारित किया गया है, परन्तु लिपिकीय त्रुटि के कारण दिनांक 22-3-17 के स्थान पर दिनांक 22-3-16 अंकित हो गया है, अतः लिपिकीय त्रुटि संशोधित की जाये । इस न्यायालय के मूल प्रकरण को देखने से स्पष्ट है कि इस न्यायालय द्वारा वास्तव में दिनांक 22-3-17 को ही आदेश पारित किया गया है । अतः आज दिनांक 22-3-16 को पारित के स्थान पर आज दिनांक 22-3-17 को पारित पढ़ा जाये । यह आदेशिका मूल आदेश की अंग होगी, अतः उसके साथ संलग्न की जाये ।



  
(मनोज गोयल)  
अध्यक्ष